

भारत में अपराध पर NCRB रपिर्ट 2022

प्रलिस के लयि:

[राषट्रीय अपराध रकिरंड बयुरो](#), [संज्जेय अपराध](#), [राजद्रोह](#), [दुरघटनावश मृतयु और आतमहतयारुँ](#)

मेनुस के लयि:

भारत में अपराध की स्थति और संबंघति मुद्दे, वभिनिन प्रकार के अपराधुँ को संबोधति करने में कानुनी ढाँचे की प्रभावशीलता

[सुरोत: डाउन टू अरथ](#)

चरुा में क्युँ?

[राषट्रीय अपराध रकिरंड बयुरो \(NCRB\)](#) ने हाल ही में "2022 के दुरान भारत में अपराध (Crime in India for 2022)" शीरषक से अपनी वारषकि रपिर्ट जारी की है, जो देश भर में अपराध के रुझानुँ का एक वयापक अवलोकन प्रदान करती है।

भारत में अपराध पर NCRB रपिर्ट 2022 की मुख्य वशिषतारुँ क्युा हुरुँ?

- **समग्र अपराध आँकडे:**
 - कुल 58,00,000 से अधिकि [संज्जेय अपराध](#) दर्ज कयि गए, जनिमें [भारतीय दंड संहति \(IPC\)](#) तथा [वशिष और स्थानीय कानून \(SLL\)](#) के तहत यानी दुरुँ प्रकार के अपराध शामिल थे।
 - वरष 2021 की तुलना में मामलुँ के पंजीकरण में 4.5% की गरिावट देखी गई।
- **अपराध दर में गरिावट:**
 - प्रतिलाख जनसंख्या पर अपराध दर वरष 2021 के 445.9 से घटकर 2022 में 422.2 हो गई।
 - कुल अपराध संख्या पर जनसंख्या वृद्धकि प्रभाव को देखते हुए इस गरिावट को अधिकि वशिषसनीय संकेतक माना जाता है।
- **सबसे सुरकषति शहर:**
 - महानगरुँ में प्रतिलाख जनसंख्या पर सबसे कम संज्जेय अपराध दर्ज करते हुए कोलकाता लगातार तीसरे वरष भारत का सबसे सुरकषति शहर बनकर उभरा है।
 - पुणे (महाराषट्र) और हैदराबाद (तेलंगाना) ने क्रमश: दूसरा एवं तीसरा स्थान हासलि कयि।
- **साइबर अपराधुँ में वृद्धि:**
 - साइबर अपराध रपिर्टगि में वरष 2021 के 52,974 मामलुँ में 24.4% की एक महत्त्वपूर्ण वृद्धकि के साथ कुल 65,893 मामले दर्ज हुए हुरुँ।
 - पंजीकृत मामलुँ में अधकिांश साइबर [धुखाधड़ी](#) के मामले (64.8%) शामिल हुरुँ, इसके बाद ज़बरन वसूली (5.5%) और [युन शोषण](#) (5.2%) के मामले आते हुरुँ।
 - इस श्रेणी के तहत अपराध दर वरष 2021 के 3.9 से बढ़कर वरष 2022 में 4.8 हो गई।
- **आतमहतयारुँ और कारण:**
 - 2022 में भारत में [आतमहतयारुँ](#) में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, कुल 1.7 लाख से अधिकि मामले 2021 की तुलना में 4.2% की चतिाजनक वृद्धिको दर्शाते हुरुँ।
 - आतमहतयारुँ दर में भी 3.3% की वृद्धि हुई, जसिकी गणना प्रतिलाख जनसंख्या पर आतमहतयारुँ की संख्या के रूप में की जाती है।
 - प्रमुख कारणुँ में 'पारवारिक समस्यारुँ,' 'वविाह संबंधी समस्यारुँ,' दविालयिापन और ःणगरसतता, 'बेरोज़गारी एवं पेशेवर मुद्दे' तथा बीमारी' शामिल हुरुँ।
 - आतमहतयारुँ के सबसे अधिकि मामले महाराषट्र में दर्ज कयि गए, इसके बाद तमलिनाडु, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तेलंगाना का स्थान है।
 - आतमहतयारुँ के कुल मामलुँ में दैनकि वेतन भोगयिुँ की हसिसेदारी 26.4% थी।
 - कृषि श्रमकि और कसिान भी असमान रूप से प्रभावति हुए, जो आतमहतयारुँ के आँकडुँ का एक बड़ा हसिसा है।
 - इसके बाद बेरोज़गार व्यक्तयिुँ का स्थान है, जो वरष 2022 में भारत में दर्ज आतमहतयारुँ के सभी मामलुँ में से 9.2% थे। वरष में

दर्ज कुल आत्महत्या के मामलों में **12,000 से अधिक छात्र** शामिल थे।

■ **अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के खिलाफ बढ़ते अपराध:**

- भारत में अपराध रपिपोर्ट में **अनुसूचित जाति (एससी)** और **अनुसूचित जनजाति (एसटी)** व्यक्तियों के खिलाफ अपराधों एवं अत्याचारों में समग्र वृद्धि पर प्रकाश डाला गया है।
 - राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना जैसे राज्यों में वर्ष 2022 में ऐसे मामलों में वृद्धि देखी गई।
 - मध्य प्रदेश और राजस्थान प्रमुख योगदानकर्त्ताओं के रूप में बने हुए हैं, जो एससी और एसटी समुदायों के खिलाफ अपराध एवं अत्याचार की सबसे अधिक घटनाओं वाले शीर्ष पाँच राज्यों में लगातार प्रमुख स्थान पर हैं।
 - ऐसे अपराधों के उच्च स्तर वाले अन्य राज्यों में **बिहार, उत्तर प्रदेश, ओडिशा और पंजाब** शामिल हैं।

■ **महिलाओं के वरिद्ध अपराध:**

- वर्ष 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4,45,256 मामले दर्ज किये गए, जो वर्ष 2021 की तुलना में 4% अधिक हैं।
- प्रमुख श्रेणियों में **'पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा करूरता,' 'महिलाओं का अपहरण'** और **'महिलाओं की गरमा को ठेस पहुँचाने के इरादे से उन पर हमला'** जैसे मामले शामिल हैं।

■ **बच्चों के वरिद्ध अपराध:**

- बच्चों के वरिद्ध अपराध के मामलों में वर्ष 2021 की तुलना में 8.7% की वृद्धि देखी गई।
 - इनमें से अधिकांश मामले **अपहरण** (45.7%) से संबंधित थे और 39.7% मामले यौन **अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम** के तहत दर्ज किये गए थे।

■ **वरिष्ठ नागरिकों के वरिद्ध अपराध:**

- वर्ष 2021 में वरिष्ठ नागरिकों के वरिद्ध अपराध के 26,110 मामले थे जिनमें 9.3% की बढ़ोतरी के साथ ये 28,545 हो गए।
 - इनमें से अधिकांश मामले (27.3%) चोट/घात के बाद **चोरी** (13.8%) तथा **जालसाज़ी, छल और धोखाधड़ी** (11.2%) से संबंधित हैं।

■ **जानवरों द्वारा किये गए हमलों में वृद्धि:**

- NCRB रपिपोर्ट में **जानवरों के हमलों के कारण मरने वाले अथवा घायल होने वाले लोगों की संख्या** में चिंताजनक प्रवृत्तिका पता चलता है।
 - वर्ष 2021 की तुलना में वर्ष 2022 में ऐसी घटनाओं में **19% की उल्लेखनीय वृद्धि** दर्ज की गई।
 - **महाराष्ट्र में सबसे अधिक मामले दर्ज किये गए**, इसके बाद उत्तर प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश में वभिन्न संख्या में संबंधित मामले दर्ज किये गए।
 - इसके आतिरिक्त **जानवरों/सरीसृपों तथा कीटों के काटने के मामलों में भी 16.7% की वृद्धि हुई।**
 - उक्त के काटने के सबसे अधिक मामले राजस्थान में, उसके बाद क्रमशः मध्य प्रदेश, तमिलनाडु तथा उत्तर प्रदेश में दर्ज किये गए।

■ **पर्यावरण संबंधी अपराध:**

- भारत में पर्यावरण संबंधी अपराधों की कुल संख्या में वर्ष 2021 की तुलना में वर्ष 2022 में लगभग 18% की कमी आई है।
 - पर्यावरण संबंधी अपराधों में सात अधिनियमों के तहत उल्लंघन शामिल हैं:
 - वन अधिनियम, 1927, वन संरक्षण अधिनियम, 1980, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986, वायु (प्रदूषण नविवरण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981, जल (प्रदूषण नविवरण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974, ध्वनि प्रदूषण (वनिधिमन और नियंत्रण) अधिनियम, 2000, राष्ट्रीय हरति अधिकरण अधिनियम, 2010
 - वायु (प्रदूषण नविवरण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 और जल (प्रदूषण नविवरण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के उल्लंघन के लिये दर्ज मामलों में लगभग 42% की वृद्धि हुई है।
 - पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत पंजीकृत उल्लंघनों में भी लगभग 31% की वृद्धि हुई है।
 - **आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा में वन संबंधी अपराधों की संख्या बढ़ी है।**
 - **बिहार, पंजाब, मजोरम, राजस्थान और उत्तराखंड सहित पाँच राज्यों में वन्यजीव संबंधी अपराध बढ़े हैं।**
 - देश में वन्यजीव अपराध के मामलों की अधिकतम संख्या (30%) वाले राजस्थान में वर्ष 2021 की तुलना में वर्ष 2022 में ऐसे अपराधों में 50% की वृद्धि दर्ज की गई।

■ **राज्य के वरिद्ध अपराध:**

- वगित वर्ष की तुलना में वर्ष 2022 में राज्य के वरिद्ध हुए अपराधों में सामान्य वृद्धि देखी गई।
 - इस अवधि के दौरान **वधिवरिद्ध करिया-कलाप नविवरण अधिनियम (UAPA)** के तहत दर्ज मामलों में लगभग 25% की वृद्धि हुई।
 - इसके वपिरीत **IPC** की **राजद्रोह धारा** के तहत मामलों में उल्लेखनीय गरिवट देखी गई।
 - राजद्रोह के मामलों में कमी का श्रेय मई 2022 में राजद्रोह के मामलों को प्रास्थगन/स्थगति रखने के **सर्वोच्च न्यायालय** के नरिण्य को दिया जा सकता है।

■ **आर्थिक अपराधों में वृद्धि:**

- आर्थिक अपराधों को आपराधिक वशिवासघात, जालसाज़ी, छल तथा धोखाधड़ी (Forgery, Cheating, Fraud- FCF) तथा कूटकरण (Counterfeiting) में वर्गीकृत किया गया है।
 - **FCF के अधिकांश मामले** (1,70,901 मामले) देखे गए, इसके बाद आपराधिक वशिवासघात (21,814 मामले) तथा कूटकरण (670 मामले) के अपराध थे।
 - कराइम इन इंडिया रपिपोर्ट में खुलासा हुआ कि सरकारी अधिकारियों ने वर्ष 2022 में कुल 342 करोड़ रुपए से अधिक **केजाली भारतीय मुद्रा नोट (Fake Indian Currency Notes- FICN)** ज़ब्त किये।

■ **वदिशियों के वरिद्ध अपराध:**

- वदिशियों के खिलाफ 192 मामले दर्ज किये गए जो वर्ष 2021 के 150 मामलों से 28% अधिक है।

- 56.8% पीड़ित एशियाई महाद्वीप से थे, जबकि 18% अफ्रीकी देशों से थे।
- **उच्चतम आरोपपत्र दर:**
 - IPC अपराधों के तहत उच्चतम आरोपपत्र दर वाले राज्य केरल, पुदुचेरी और पश्चिम बंगाल हैं।
 - आरोप पत्र दायर करने की दर उन मामलों को दर्शाती है जहाँ पुलिस कुल सही मामलों (जहाँ आरोपपत्र दायर नहीं किया गया था लेकिन अंतिम रिपोर्ट को सही के रूप में प्रस्तुत किया गया था) में से आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने के चरण तक पहुँच गई थी।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो क्या है?

- **NCRB की स्थापना केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत वर्ष 1986 में** इस उद्देश्य से की गई थी कि भारतीय पुलिस में कानून व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिये पुलिस तंत्र को सूचना प्रौद्योगिकी समाधान और आपराधिक गुप्त सूचनाएँ प्रदान कर समर्थ बनाया जा सके।
- यह **राष्ट्रीय पुलिस आयोग (1977-1981) और गृह मंत्रालय के कार्य बल (1985)** की सिफारिशों के आधार पर स्थापित किया गया था।
- यह **गृह मंत्रालय का हिस्सा है और इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।**
- यह भारतीय और विदेशी अपराधियों के **फगिरप्रति रिकॉर्ड करने के लिये "नेशनल वेयरहाउस"** के रूप में भी कार्य करता है, और फगिरप्रति खोज के माध्यम से अंतर-राज्यीय अपराधियों का पता लगाने में सहायता करता है।
- NCRB के चार प्रभाग हैं: अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क एवं सिस्टम (CCTNS), अपराध सांख्यिकी, फगिरप्रति और प्रशिक्षण।
- **NCRB के प्रकाशन:**
 - **क्राइम इन इंडिया रिपोर्ट**
 - **आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्या**
 - **जेल सांख्यिकी**
 - **भारत में गुमशुदा महिलाओं और बच्चों पर रिपोर्ट**
 - ये प्रकाशन न केवल पुलिस अधिकारियों के लिये बल्कि भारत में ही नहीं विदेशों में भी अपराध विशेषज्ञों, शोधकर्त्ताओं, मीडिया तथा नीति निर्माताओं हेतु अपराध आँकड़ों पर प्रमुख संदर्भ बन्दि के रूप में काम करते हैं।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/ncrb-s-crime-in-india-2022-report>

